अर्थशास्त्र

ECONOMICS

प्रथम प्रश्न-पत्र : व्यष्टि अर्थशास्त्र

द्वितीय प्रश्न-पत्र : भारतीय अर्थव्यवस्था

डॉ. वी. सी. सिन्हा
एम. ए., एम. कॉम., पी-एच. डी., डी. लिट्.
पूर्व कुलपति एवं विभागाध्यक्ष,
व्यावसायिक प्रशासन विभाग,
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा

सौम्या रंजन
एम. ए.,
अर्थशास्त्र विभाग,
महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ,
वाराणासी (उ. प्र.)

SBPD PUBLICATIONS

एस बी पी डी पब्लिकेशन्स

विषय–सूची

अध्याय पृष्ठ-संख्या

प्रथम प्रश्न-पत्र : व्यष्टि अर्थशास्त्र
(Micro Economics)

1. **अर्थशास्त्र की परिभाषाएँ, प्रकृति एवं क्षेत्र** ..... 3—15
[Definitions, Nature and Scope of Economics]
(अर्थशास्त्र की परिभाषाएँ, अर्थशास्त्र का क्षेत्र, क्या अर्थशास्त्र केवल वास्तविक विज्ञान है या आदर्श विज्ञान भी है ?, अर्थशास्त्र एक कला के रूप में अथवा आर्थिक नीति, प्रश्न।)

2. **आर्थिक विश्लेषण की पद्धतियाँ (विधियाँ)** ..... 16—22
[Methods of Economic Analysis]
(अर्थशास्त्र की अध्ययन विधि से आशय, निगमन विधि, आगमन विधि, दोनों विधियाँ एक दूसरे की पूरक हैं, निगमन तथा आगमन विधियों में भेद, प्रश्न।)

3. **व्यष्टि अर्थशास्त्र की आधारभूत अवधारणाएँ** ..... 23—28
[Basic Concept of Micro Economics]
(तुष्टिगुण या उपयोगिता, माँग, पूर्ति, स्वतन्त्र (नि:शुल्क) वस्तुएँ, मूल्य एवं कीमत मूल्य की विशेषताएँ, भेद, बाजार, प्रशासित मूल्य, प्रशासित कीमत निर्धारण की रीतियाँ, प्रश्न।)

4. **माँग का नियम और इसके अपवाद, विभिन्न वस्तुएँ** ..... 29—34
[Law of Demand and Its Exceptions, Giffen Goods]
(माँग की परिभाषा, वस्तुओं की माँग क्यों की जाती है ?, माँग को प्रभावित करने वाले तत्व, माँग का नियम, माँग तालिका, माँग वक्र बायें से दायें नीचे क्यों गिरता है ?, माँग के नियम के अपवाद, प्रश्न।)

5. **माँग की लोच : कीमत, आय और आढ़ी लोच** ..... 35—47
[Elasticity of Demand : Price, Income and Cross Elasticity]
(माँग की लोच, अर्थ, परिभाषाएँ, माँग की कीमत लोच के निर्धारक तत्व, माँग की कीमत लोच मापने की विधियाँ, माँग की आय लोच, माँग की आड़ी व तिरछी लोच, माँग की कीमत-लोच का महत्व, प्रश्न।)

6. **पूर्ति का नियम** ..... 48—51
[Law of Supply]
(पूर्ति, परिभाषाएँ, व्यक्तिगत व पूर्ति तालिका, बाजार पूर्ति तालिका, पूर्ति वक्र, वस्तु की पूर्ति के निर्धारक घटक, पूर्ति का नियम, पूर्ति नियम के अपवाद, प्रश्न।)

7. **ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम एवं सम-सीमान्त उपयोगिता नियम (गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण)** ..... 52—65
[Law of Diminishing Marginal Utility and Law of Equi-Marginal Utility : Cardinal Utility Analysis]
(गण-वाचक उपयोगिता विश्लेषण, उपयोगिता या तुष्टिगुण का अर्थ एवं परिभाषाएँ, उपयोगिता (तुष्टिगुण) की विशेषताएँ, उपयोगिता के भेद, सीमान्त तुष्टिगुण ह्रास नियम, सम-सीमान्त तुष्टिगुण नियम, सिद्धान्त की आधुनिक व्याख्या, सम-सीमान्त तुष्टिगुण का महत्व, प्रश्न।)

8. **तटस्थता वक्र : विशेषताएँ तथा उपभोक्ता का सन्तुलन (क्रियावाचक, तुष्टिगुण विश्लेषण)** ..... 66—79
[Indifference Curve : Characteristics and Consumer's Equilibrium Ordinal Utility Analysis]

अध्याय पृष्ठ-संख्या

(तटस्थता वक्र विश्लेषण का विकास, क्रयवाचक तटस्थता विश्लेषण, तटस्थता वक्र क्या है?, सीमान्त प्रतिस्थापन दर, घटती हुई सीमान्त प्रतिस्थापन दर का नियम, तटस्थता वक्रों की प्रकृति अथवा विशेषताएँ, कीमत रेखा या बजट रेखा, उपभोक्ता का सनतुलन, उपभोक्ता सन्तुलन की मान्यताएँ, तटस्थता वक्र विश्लेषण की आलोचनाएँ, प्रश्न।)

9. **उपभोक्ता की बचत** ..... 80—86
[Consumer's Surplus]
(परिभाषाएँ, उपभोक्ता की बचत : मार्शल का दृष्टिकोण, उपभोक्ता की बचत की आलोचनाएँ, उपभोक्ता की बचत : हिक्स का दृष्टिकोण, उपभोक्ता की बचत का महत्व, प्रश्न।)

10. **उत्पादन, उत्पादन के नियम तथा परिवर्तनशील अनुपातों का नियम** ..... 87—96
[Production, Laws of Production and Law of Variable Proportions]
(उत्पादन तथा उत्पादन फलन, उत्पादन फलन के प्रकार, उत्पादन के नियम, उत्पादन वृद्धि नियम, उत्पत्ति समता नियम, उत्पत्ति ह्रास नियम, उत्पादन की तीन अवस्थाएँ, उत्पत्ति ह्रास नियम का महत्व, प्रश्न।)

11. **पैमाने के प्रतिफल एवं पैमाने की बचत** ..... 97—103
[Returns to Scale and Economics of Scale]
(पैमाने के बढ़ते प्रतिफल, पैमाने के स्थिर प्रतिफल, पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल, पैमाने के प्रतिफल के निर्धारक तत्व, पैमाने की बचतें एवं हानियाँ, आन्तरिक बचतें, बाह्य बचतें, प्रश्न।)

12. **समोत्पाद वक्र : विशेषताएँ एवं उत्पादक का सन्तुलन** ..... 104—115
[ISO-Production Curve : Characteristics and Producer's Equilibrium]
(समोत्पाद वक्र की परिभाषा, समोत्पाद मानचित्र, समोत्पाद वक्रों की मान्यताएँ, समोत्पाद वक्रों की विशेषताएँ, तकनीकी सीमान्त प्रतिस्थापन दर, साधन की प्रतिस्थापन लोच, ऋणु रेखाएँ अथवा उत्पादन के आर्थिक क्षेत्र की सीमाएँ, सम-लागत रेखा अथवा साधन कीमत रेखा, साधनों का अनुकूलतम संयोग, विस्तार पथ, प्रश्न।)

13. **लागत एवं आगम की अवधारणाएँ : कुल-सीमान्त एवं औसत** ..... 116—137
[Concepts of Cost and Revenue : Total Marginal and Average]
(लागत वर्गीकरण, मौद्रिक लागत, वास्तविक लागत, अवसर लागत, लागत अवधारणा का व्यावसायिक उपयोग, लागत निर्धारण एवं उत्पादन सम्बन्ध, प्रति इकाई उत्पादन लागत, औसत लागत एवं सीमानत लागत में सम्बन्ध, MC वक्र का AVC से सम्बन्ध, दीर्घकालीन औसत लागत वक्र, दीर्घकालीन सीमान्त लागत वक्र, आगम की अवधारणा, विभिन्न बाजारों में औसत आगम एवं सीमान्त आगम वक्रों की स्थिति, आगम वक्रों का महत्व, प्रश्न।)

14. **बाजार : अर्थ एवं प्रकार** ..... 138—142
[Market : Meaning and Types]
(बाजार की परिभाषाएँ, बाजार का वर्गीकरण, पूर्ण प्रतियोगिता बाजार, शून्य प्रतियोगिता बाजार, अपूर्ण प्रतियोगिता बाजार, प्रश्न।)

15. **माँग एवं पूर्ति सन्तुलन** ..... 143—152
[Demand and Supply Equilibrium]
(माँग, माँगफलन एवं माँग को प्रभावित करने वाले तत्व, माँग सारणी तथा माँग वक्र, पूर्ति, पूर्ति तथा स्टॉक में अन्तर, वस्तु की पूर्ति को प्रभावित करने वाले कारक, पूर्ति अनुसूची या तालिका, पूर्ति के प्रकार, पूर्ति वक्र की मान्यताएँ, माँग एवं पूर्ति सन्तुलन, प्रश्न।)

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

16. **पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत निर्धारण** ..... 153—164
[Price Determination Under Perfect Competition]
(परिभाषाएँ, पूर्ण प्रतियोगिता की विशेषताएँ, पूर्ण प्रतियोगिता का औचित्य, पूर्ण प्रतियोगिता एवं विशुद्ध प्रतियोगिता में अन्तर, पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत-निर्धारण, कीमत निर्धारण में समय तत्व, बाजार कीमत एवं सामान्य कीमत में सम्बन्ध, बाजार कीमत एवं सामान्य कीमत में अन्तर, पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म का सन्तुलन या साम्य, उद्योग का साम्य, प्रश्न।)

17. **एकाधिकार में कीमत निर्धारण** ..... 165—173
[Price Determination Under Monopoly]
(एकाधिकार की परिभाषाएँ, एकाधिकार की विशेषताएँ, एकाधिकार की उत्पत्ति के कारण, एकाधिकार में कीमत-निर्धारण अथवा फर्म का साम्य एकाधिकार में कीमत निर्धारण, क्या एकाधिकारी शक्ति असीमित होती है?, प्रश्न।)

18. **एकाधिकृत प्रतियोगिता में कीमत निर्धारण** ..... 174—181
[Price Determination Under Monopolistic Competition]
(एकाधिकृत प्रतियोगिता, एकाधिकृत प्रतियोगिता की विशेषताएँ, एकाधिकृत प्रतियोगिता में एक फर्म का सन्तुलन, एकाधिकृत प्रतियोगी फर्म का उल्पकालीन साम्य, एकाधिकृत प्रतियोगी फर्म का दीर्घकालीन सन्तुलन, पूर्ण प्रतियोगी, अपूर्ण प्रतियोगी एवं एकाधिकारी बाजारों में अन्तर, प्रश्न।)

19. **साधन कीमत : सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त, आधुनिक सिद्धान्त एवं योग प्रमेय** ..... 182—195
[Factor Pricing : Marginal Productivity Theory, Modern Theory and Adding-up Theorem]
(साधन कीमत, साधन कीमत निर्धारण के लिए एक प्रथक् सिद्धानत की आवश्यकता, साधन कीमत-निर्धारण के सिद्धान्त, वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त, वितरण का माँग एवं पूर्ति का सिद्धान्त, योग प्रमेय, प्रश्न।)

20. **मजदूरी** ..... 196—207
[Wages]
(नकद मजदूरी एवं असल मजदूरी, वास्तविक मजदूरी को निर्धारित करने वाले तत्व, मजदूरी के सिद्धान्त, मजदूरी कोष सिद्धान्त, मजदूरी का जीवन-निर्वाह सिद्धान्त, मजदूरी का जीवन स्तर सिद्धान्त, अवशेष अधिकारी सिद्धान्त, मजदूरी का सीमान्त उत्पादकता का सिद्धान्त, मजदूरी का आधुनिक सिद्धान्त, सामूहिक सौदेबाजी एवं मजदूरी, मजदूरी में भिन्नता, प्रश्न।)

21. **ब्याज** ..... 208—220
[Interest]
(शुद्ध ब्याज व कुल ब्याज, ब्याज का प्रतिष्ठित सिद्धान्त, ऋण योग्य कोष सिद्धान्त या ब्याज का नवपरम्परावादी सिद्धान्त, कीन्स का तरलता पसन्दगी सिद्धान्त, ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त, ब्याज की दरों में भिन्नता के कारण, क्या ब्याज दर शून्य या ऋणात्मक हो सकती है?, प्रश्न।)

22. **लाभ** ..... 221—228
[Profit]
(लाभ का अर्थ, कुल लाभ तथा वास्तविक लाभ, लाभ के सिद्धान्त, सिद्धान्त की आलोचनाएँ, पूर्ण प्रतियोगिता में लाभ का निर्धारण, प्रश्न।)

23. **लगान** ..... 229—240
[Rent]
(परिभाषाएँ, लगान के प्रकार, लगान निर्धारण के सिद्धान्त, रिकार्डो का लगान सिद्धान्त, रिकार्डो के सिद्धान्त

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

की आलोचनाएँ, लगान का आधुनिक सिद्धान्त, रिकार्डो के सिद्धान्त तथा आधुनिक सिद्धान्त की तुलना, आभास लगान, प्रश्न।)

द्वितीय प्रश्न-पत्र : भारतीय अर्थव्यवस्था
(Indian Economy)

1. **भारतीय अर्थव्यवस्था : प्रकृति, संरचना (ढ़ाँचा) एवं विशेषताएँ** ..... 3—15
[Indian Economy : Nature, Structure and Features]
(भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति, भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना, भारतीय अर्थव्यवस्था के लक्षण या विशेषताएँ, भारत एक धनी देश हैं किन्तु इसके निवासी निर्धन हैं, भारत एक धनी देश है, भारतवासी निर्धन हैं, प्रश्न।)

2. **प्राकृतिक संसाधन : भूमि, जल, वन एवं खनिज** ..... 16—22
[Nature of Resources : Land, Water, Forest and Minaral]
(प्राकृतिक संसाधन का अर्थ एवं स्वभाव, प्राकृतिक संसाधन एवं आर्थिक विकास, भारत के प्राकृतिक संसाधन, भूमि संसाधन, वन संसाधन, जल संसाधन, खनिज संसाधन, नई खनिज नीति, प्रश्न।)

3. **भारत की जनांकिकीय विशेषताएँ** ..... 23—59
[India's Demographic Features]
(मानवीय संसाधन का अर्थ, आर्थिक विकास में मानवीय संसाधन का महत्व, जनसंख्या राष्ट्र की सम्पत्ति और दायित्व दोनों ही हैं, जनसंख्या एवं आर्थिक विकास का सम्बन्ध, आर्थिक विकास के सम्बन्ध में मानवीय संसाधनों का महत्व, आर्थिक विकास का जनसंख्या वृद्धि पर प्रभाव, जनसंख्या वृद्धि का भारत के आर्थिक विकास पर प्रभाव, जनसंख्या का आकार, जनसंख्या की संरचना, भारत में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के कारण, क्या भारत में जनाधिक्य है?, जनसंख्या की वृद्धि आर्थिक प्रगति के लिए बाधक, भारत में जनसंख्या नियोजन, परिवार नियोजन की असफलता के कारण, परिवार कल्याण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सुझाव, भारत में जनसंख्या नीति, भारत और जनसंख्या सम्बन्धी उपयुक्त नीति, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 1976, जनसंख्य नीति का मूल्यांकन, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000, प्रश्न।)

4. **सकल घरेलू उत्पाद : राष्ट्रीय आय की प्रमुख अवधारणा** ..... 60—72
[Gross Domestic Product : Main Concept of National Income]
(राष्ट्रीय आय का अर्थ, राष्ट्रीय आय की प्रमुख अवधारणाएँ, राष्ट्रीय आय के माप की विधियाँ, भारत में राष्ट्रीय आय की गणना, भारत में राष्ट्रीय आय की गणना सम्बन्धी कठिनाइयाँ, भारत की राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करने हेतु सुझाव, प्रश्न।)

5. **कृषि : प्रकृति, महत्व, भू-उपयोग-पद्धति उत्पादन एवं उत्पादकता** ..... 73—89
[Agriculture : Nature, Importance, Land-use Pattern, Production and Productivity]
(कृषि का तात्पर्य, भारतीय कृषि की प्रकृति, भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व, भारतीय कृषि की विशेषताएँ, भारतीय कृषि में भू-उपयोग पद्धति, भू-उपयोग पद्धति में सुधार कार्यक्रम, भारतीय कृषि में भू-उपयोग बनावट में परिवर्तन, भारत में कृषि उत्पादकता, भारत में कृषि की निम्न उत्पादकता के कारण, कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु सुझाव, कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा लिए गए प्रयास, भारतीय कृषि की समस्याएँ, प्रश्न।)

6. **मध्य प्रदेश की फसल पद्धति में परिवर्तन** ..... 90—98
[Changes in Cropping Pattern of Madhya Pradesh]
(प्रदेश में फसलों के आधार पर राज्य के कृषि क्षेत्र, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किया गया कृषि प्रदेशों का विभाजन, मध्य प्रदेश की फसल-पद्धति में परिवर्तन, मध्य प्रदेश में मौसम एवं फसल की स्थिति, वाणिज्यिक फसलें, मध्य प्रदेश में कृषि विकास योजनाएँ, प्रश्न।)

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

7. **हरित क्रान्ति** ..... 99—108
[Green Revolution]
(भारत में हरित क्रान्ति, हरित क्रान्ति का प्रादुर्भाव, हरित क्रान्ति के मुख्य तत्व, हरित क्रान्ति के दोष, हरित कृषि नीति की सफलता के लिए सुझाव, प्रश्न।)

8. **कृषि विपणन** ..... 109—118
[Agricultural Marking]
(कृषि विपणन का अर्थ, भारत में कृषि विपणन की व्यवस्था, भारत में कृषि विकास की समस्याएँ, कृषि विपणन में सुधार हेतु सरकारी प्रयास, सहकारी विपणन, सहकारी विपणन के लाभ, भारत में कृषि विपणन की प्रगति, प्रश्न।)

9. **कृषि मन्त्रीकरण** ..... 119—124
[Agriculture Mechanisation]
(कृषि में तकनीकी परिवर्तन के उत्पादन, तकनीकी परिवर्तन एवं कृषि विकास, कृषि यन्त्रीकरण के दोष अथवा विपक्ष में तर्क, पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि का यन्त्रीकरण, प्रश्न।)

10. **भारत में औद्योगिक नीति (भारत की 1956 एवं 1991 की औद्योगिक नीतियाँ तथा मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीति सहित)** ..... 125—133
[Industrial Policy in India (Indian Industrial Policies of 1956 and 1991 Including Industrial Policy of Madhya Pradesh)]
(औद्योगिक नीति में आशय, औद्योगिक नीति, 1956, नई औद्योगिक नीति, 1991, औद्योगिक नीति, 1991 का मूल्यांकन, मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीति, प्रश्न।)

11. **औद्योगीकरण में सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका** ..... 134—146
[Role of Public Sector in Industrialization]
(औद्योगिक विकास का अर्थ, औद्योगिक विकास की परिभाषा, भारत में औद्योगिक विकास, नियोजन काल में औद्योगिक विकास की विशेषताएँ, औद्योगीकरण में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र, प्रश्न।)

12. **लघु एवं कुटीर उद्योग : समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ** ..... 147—158
[Small and Cottage Industries : Problems and Prospects]
(लघु एवं कुटीर उद्योगों की परिभाषा, अन्तर, वर्गीकरण, महत्व, पंचवर्षीय योजनाओं में लघु कुटीर उद्योगों का विकास, भारत की प्रथम लघु एवं कुटीर उद्योग नीति, भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों की समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ, लघु एवं कुटीर उद्योगों के विकास के लिए किये गये सरकारी प्रयास, लघु एवं कुटीर उद्योगों के सुधार के लिए सुझाव, वृहद् एवं लघु उद्योगों में समाजशास्त्र के लिए सुझाव, प्रश्न।)

13. **स्टार्ट-अप इण्डिया तथा मेक-इन इण्डिया** ..... 159—171
[Start-up India and Make-in India]
(स्टार्ट-अप इण्डिया, स्टार्ट-अप इण्डिया, स्टैण्ड-अप इण्डिया का आशय, स्टार्ट-अप इण्डिया, स्टेण्ड-अप इण्डिया के उद्देश्य, स्टार्ट-अप कार्य योजना, स्टार्ट-अप कार्य योजना : प्रस्तावित योजनाएँ, स्टार्ट-अप योजना की समस्याएँ एवं समाधान, मेक-इन इण्डिया, भारत में निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य, भारत में निर्माण कार्यक्रम के आधार-स्तम्भ, भारत में निर्माण कार्यक्रम का लोगो, भारत में निर्माण कार्यक्रम की प्रासंगिकता, प्रश्न।)

14. **भारतीय अर्थव्यवस्था हेतु आधारभूत संरचना : शक्ति, परिवहन एवं संचार** ..... 172—207
[Infrastructure for Indian Economy : Power, Transportation and Communication]
(आधारभूत संरचना का महत्व, भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारभूत संरचना, ऊर्जा या शक्ति संसाधन, शक्ति के प्रमुख संसाधन, भारत में ऊर्जा संकट व उसके कारण, परिवहन, परिवहन के विभिन्न साधन,

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

सड़क परिवहन, रेल परिवहन, जल परिवहन, वायु परिवहन, संचार, भारत में दूरसंचार व्यवस्था, भारत में आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रम, सूचना प्रौद्योगिकी, भारत की नई दूरसंचार नीति, प्रश्न।)